

भ्रष्टश्री वि. (तत्.) श्री से रहित, शोभा, वैभव या कांति से हीन, श्रीहीन।

भ्रष्टाचार पुं. (तत्.) 1. दूषित आचरण या पतित व्यवहार 2. बिगड़ा हुआ व्यवहार।

भ्रांत पुं./वि. (तत्.) 1. जो भ्रम में पड़ा हो 2. भूला-भटका या धोखे में पड़ा 3. व्याकुलता से घिरा, परेशान, उलझन या चक्कर में पड़ा हुआ 4. गलत विचारों के कारण कुपथगामी।

भ्रांतापह्नुति स्त्री. (तत्.) काव्य. अपह्नुति अलंकार का एक भेद, जब किसी वस्तु में अन्य वस्तु का भ्रम हो और उस भ्रम को दूर करने के लिए सत्य वस्तु का वर्णन हो तो उस वर्णन में होने वाला काव्यालंकार 'भ्रांतापह्नुति' अलंकार होता है, इस अलंकार में उपमान का निषेध कर उपमेय की स्थापना की जाती है।

भ्रांति स्त्री. (तत्.) 1. भ्रम, संदेह, संशय 2. भ्रमण 3. चकराना, धोखा 4. पागलपन 5. त्रुटि, व्याकुलता, घबड़ाहट, भ्रमपूर्ण विचार।

भ्रांतिमान वि. (तत्.) जिसे भ्रम हो गया हो, चकराया हुआ काव्य. एक अर्थालंकार जिसमें दो वस्तुओं में समानता के कारण एक वस्तु (उपमेय) में अन्य (उपमान) को समझ लिया जाता है।

भ्राजमान वि. (तत्.) चमकता हुआ, दीप्तिमान।

भ्राजिष्णु वि. (तत्.) चमकने वाला, शोभा युक्त पुं. 1. संसार के रक्षक विष्णु 2. आशुतोष महादेव।

भ्राजी वि. (तत्.) कांतिमान्, चमक वाला।

भ्राता पुं. (तत्.) भाई, बंधु, बिरादर, संबंधी।

भ्रातृज पुं. (तत्.) भाई का बेटा, भतीजा।

भ्रातृजाया स्त्री. (तत्.) भाई की स्त्री, भावज, भाभी।

भ्रातृत्व पुं. (तत्.) भाई होने का भाव, भाईचारा।

भ्रातृपुत्र पुं. (तत्.) भाई का बेटा, भ्रातृज।

भ्रातृभाव पुं. (तत्.) भाईचारा, अपनापन, भाई जैसा संबंध।

भ्रातृवधू स्त्री. (तत्.) भाई की पत्नी, भावज।

भ्रातृव्य पुं. (तत्.) भतीजा, भ्रातृज, भाई का पुत्र।

भ्रामक वि. (तत्.) 1. भ्रम में डालने वाला, संदेह पैदा करने वाला, भ्रमकारक 2. व्याकुल कर देने वाला, चालबाजी करने वाला 3. वंचक, ठग 4. सूरजमुखी का फूल 5. गीदड़ 6. चुंबक पत्थर।

भ्रामकता स्त्री. (तत्.) भ्रम में डालने वाली भावना।

भ्रामकतावाद पुं. (तत्.) कला के ऐसे दृश्य का प्रयोग जिसमें त्रिविमीय दृश्य हो।

भ्रामक समूह पुं. (तत्.) भ्रम में डालने वाले का समुदाय।

भ्रामर वि. (तत्.) 1. जो भ्रमर से संबंधित हो 2. भ्रमर से उत्पन्न हुआ 3. भ्रमर से प्राप्त, मधु, शहद पुं. एक मंडलाकार नृत्य।

भ्रामरी स्त्री. (तत्.) 1. भगवती दुर्गा का एक रूप 2. प्रदक्षिणा, परिक्रमा।

भ्रामरी प्राणायाम पुं. (तत्.) प्राणायाम का एक प्रकार जिसमें भ्रमर की तरह की ध्वनि की जाती है।

भ्रू स्त्री. (तत्.) आँखों के ऊपर की भौंह, भ्रुकुटि।

भ्रूण पुं. (तत्.) स्त्री के गर्भ में पलने वाला सात से नौ सप्ताह का निषेचित डिंब या अंडा टि. इस अवस्था में जीव के प्रायः सभी अंग बन जाते हैं वन. पादप की प्राथमिक अवस्था।

भ्रूणविज्ञान पुं. (तत्.) जीव. भ्रूण के बनने से बच्चे के जन्म तक का पूरा अध्ययन, विवरण जिस विज्ञान में हो, भ्रूणशास्त्र।

भ्रूणहत्या स्त्री. (तत्.) गर्भपात द्वारा गर्भस्थ शिशु की हत्या।

भ्रूभंग पुं. (तत्.) भौंह का चढ़ना, गुस्सा प्रकट करने के लिए भौंह चढ़ाना।

भ्रूविक्षेप पुं. (तत्.) भौंह चढ़ाना, अप्रसन्नता प्रकट करना, क्रोध दिखाना।